RAJYA SABHA

Wednesday, the29th November, 2006/8 *Agrahayana,* 1928 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

MR. CHAIRMAN: Questions ...*(Interruptions)*...

E.: DEMAND FOR AN EXPLANATION FROM PRIME MINISTER ON CONVICTION OF A CABINET MINISTER

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश) **:** सर, एक नोटिस दिया था that before you take up questions, Leader of the Opposition should be allowed to speak.

श्री उपसभापति : नोटिस अंडर रूल्स नहीं है ।

THE LEADER OF OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Chairman, Sir, it is an unusual situation ...*(Interruptions)*...I reckoned it is not normal for Question Hour to be suspended and I also ...*(Interruptions)*...

डा. प्रभा ठाकुर (राजस्थान) **:** सर, यह क्वेश्चन ऑवर है । ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन आवर में ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : बोलने दीजिए । नेता, विपक्ष को बोलने दीजिए । ...(**व्यवधान**)... सर, मेरा नोटिस है, before we take up the questions, नेता विपक्ष कुछ कहना चाहते है । ...(**व्यवधान**)...

श्री विजय कुमार रूपाणी (गुजरात) **:** *मंत्री रखे हैं और क्वेश्चंस की बात कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

5HRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Let him make Statement. ...*(Interruptions)*...

Expunged as ordered by the Chair.

Let him make statement. How can you stop him?

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश) **:** सर, एक मंत्री पर हत्या का आरोप है ...(**व्यवधान**)... यह बहुत गंभीर मामला है । ...(**व्यवधान**)... एक मंत्री हत्या का आरोपी है । ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड) **:** लीडर ऑफ दी आपोजिशन कुछ कह रहे हैं, सुन तो लीजिए । ...(**व्यवधान**)...

SHRI S.S. AHLUWALIA(Jharkhand): Sir, he is only putting a question. *(Interruptions).* He is questioning the Government. *(Interruptions)* This question is important.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र , दिल्ली) **:** या तो आप प्रोसीजर बदल दीजिए कि क्वेश्चन ऑवर नहीं हुआ करेगा ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : प्रोसीजर चेयर से चलता है और चेयर ने अनुमति दी है । ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह : कभी आप भी वहां होते थे । ...(**व्यवधान**)...

श्री रूद्रनारायण पाणि (उडीसा) **:** अब एक ही क्वेश्चन है कि कितने *मंत्री हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप सुन लीजिए, क्या कह रहे हैं, सुन लीजिए । ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए । ...(**व्यवधान**)... बैठिए, सुन लीजिए । ...(**व्यवधान**)...

SHRIMATI PREMA CARIAPPA (Karnataka): Sir, the Question Hour should ...*(Intenruptions)*

श्री जय प्रकाश अग्रवाल : सर, यह सिस्टम आपको बदलना पड़ेगा । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : यह बिल्कुल सही है, मैं आपसे एग्री करता हूं । ...(**व्यवधान**)...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल : जब क्वेश्चन ऑवर होता है, तब ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन ऑवर का प्रोसीजर ही खत्म कर दीजिए । ...(**व्यवधान**)...

SHRI JASWANT SINGH: Mr. Chairman, Sir ...*(Interruptions)*...

डा. प्रभा ठाकुर : सर इनको 12 बजे के बाद अवसर दिया जाए । हम लोगों का मुश्किल से कोई सवाल आता है, तब भी हमें मौका नहीं मिलता है । ...(**व्यवधान**)... विपक्ष आए दिन इस प्रकार से करता रहता है । ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति : आप बैठिए, बैठिए । ...(**व्यवधान**)... बैठिए,

श्रीमती सुषमा स्वराज : सुनिए, सुनिए ।

SHRI JASWANT SINGH: Mr. Chairman, Sir, I am gratified that the Members of the Treasury are also sharing my viewpoint. There is a matter that is agitating...{Vntem/pf/onsJ...

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान) **:** क्या कोई नोटिस दिया है? ...(**व्यवधान**)... क्या कोई नोटिस आया है ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : आया है, नोटिस आया है । बोलिए सर ।

SHRI JASWANT SINGH: Sir, I have my submission. Really an unusual situation has arisen that a serving Member of the Union Cabinet had been charged with murder, taken into prison directly and convicted. *(Intenuptions)*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, the prerogative of the Prime Minister.... *(Interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, it is not the final conviction. He can still go in for appeal. *(Interruptions)*

श्री राशिद अल्वी (आन्ध्र प्रदेश) **:** *(**व्यवधान**)... आपके होम मिनिस्टर पर ...(**व्यवधान**)...

डा. प्रभा ठाकुर : तब *नहीं आयी थी जब आपके रक्षा मंत्री ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बैठिए, बैठिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : अयोध्या में क्या हुआ था, वह भी बता दें ...(**व्यवधान**)...

SHRI JASWANT SINGH: Sir, we should, in fact*ed,,..(Interruptions)*... I share that, Sir. *(Interruptions)*

Perhaps, we can use this opportunity...*(Interruptions)*... It is the most unusual event that has occurred. Perhaps we can use this opportunity— as my friend and colleague Arunji has said—to turn a new leaf totally...*(Interruptions),* all parties in the fray accept this and then take the decision to accept this way to turn a new leaf...*(Interruptions)*...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

Sir, I appeal to you, I appeal to the Treasury Benches ...*(Intenvptions)*... Let the Prime Minister come and explain it to the House...*(Interruptions)*

श्री प्रवीण राष्ट्रपाल (गुजरात) **:** यूपी में लाठी चार्ज हुआ ...(**व्यवधान**)... दो दफा लाठी चार्ज हुआ । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यह क्या हो रहा है? ...(**व्यवधान**)... क्या इस तरह से सदन चलेगा ? ...(**व्यवधान**)...

श्री रूद्रनारायण पाणि : जार्ज फर्नाडीज कभी जेल नहीं गए थे । ...(**व्यवधान**)...

श्री राशिद अल्वी : सर, ये हाऊस को चलने नहीं देंगे । ...(**व्यवधान**)...

श्री रूद्रनारायण पाणि : आपको सत्ता में एक पल के लिए भी रहने का नैतिक अधिकार नहीं है । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : उनको बोलने दीजिए । ...(**व्यवधान**)... देखिए, बोलने दीजिए, क्या मामला है? बैठिए ... बैठिए ...(**व्यवधान**)... बैठिए ...(**व्यवधान**)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI (Uttar Pradesh): A new history has been created. ...*(Interruptions)*.. It is happening for the first time in the world. ...*(Interruptions)*..*A new* beginning has been made...*(Interruptions)*...

SHRIC. RAMACHANDRAIAH: How ethical they are. ...*(Interruptions)*... They are inducing *in the Cabinet. ...*(Interruptions)*... You want * in the Cabinet ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please take your seats ...*(Interruptions)*... Please take your seats...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: All tainted Ministers should be removed. ...*(Interruptions)*...

Remove all the tainted Ministers. ...*(Interruptions)*...

SHRI N. JOTHI (Tamil Nadu): Let them run the Government from jail. ...*(Interruptions)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : प्रतिपक्ष के नेता को बात तो रखने दीजिए । ...(**व्यवधान**)... सरकार से सवाल किया जा रहा है, इससे बड़ा सवाल और क्या हो सकता है? सरकार से विपक्ष सवाल पूछ रहा है और वह भी पूछने नहीं दिया जा रहा है । यह कैसी डेमोक्रेसी है? ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) **:** यह कैसी डेमोक्रेसी है कि नेता विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है ? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी ...(**व्यवधान**)... एक मंत्री को जेल ले जाया जाता है और नेता विपक्ष सवाल भी नहीं कर सकते ? ...(**व्यवधान**)... आपके मंत्री है, * । ...(**व्यवधान**)... आपका मंत्री कोर्ट के परिसर से सीधे जेल ले जाया जाता है और नेता विपक्ष सवाल भी नही पूछ सकते? ...(**व्यवधान**)... * । ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, नेता विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है । बोलिए, सर ...(**व्यवधान**)... यह सबसे बड़ा क्वेश्चन है । वे सवाल ही पूछ रहे हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह बड़ा सवाल है । ...(**व्यवधान**)... ये ज्वलंत प्रश्न पूछ रहे हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यह लोकतंत्र की * हो रही है । ...(**व्यवधान**)... विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जाता है । ...(**व्यवधान**)...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: We should start the Question Hour. *(Interruptions)*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, it it the prerogative of the present Prime Minister to induct*? *(Interruptions)* What is this? *(Interruptions)* Is it the privilege of the Prime Minister to induct * in the Cabinet? *(Interruptions)*

SHRI AMAR SINGH: Hon. *"..(Interruptions)*

श्री सभापति : बैठ जाइए, बैठ जाइए । ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: He is accountable to the House. *(Interruptions)*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Let the House be adjourned *sine die*. *(Interruptions)*

श्री सभापति : बैठ जाइए, बैठ जाइए । ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Let the Prime Minister come and reply. *(Interruptions)*

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, we want Question Hour. *...(Interruptions)...*

---

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री सभापति : इतने में तो यह चैप्टर बंद हो जाता और क्वेश्चन आवर चालू हो जाता । ...(**व्यवधान**)...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल : सर, हम क्वेश्चन आवर के लिए तैयारी करके आते हैं, लेकिन उसका क्या फायदा । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : वह ठीक है, ...(**व्यवधान**)... हम इस पर विचार करेंगे । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : इससे बड़ा सवाल और क्या हो सकता है? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, इस सदन की यह प्रथा है ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, इस सदन की प्रथा है कि जब कोई नया मंत्री आता है, वह केबिनेट में enter करता है तो प्रधानमंत्री जी यहां आकर introduce कराते हैं । प्रधानमंत्री जी जरा बताएं कि उन्होंने कैसे – कैसे मंत्रियों को मंत्री बना रखा था?

वे आज जरा बताएं कि किस चयन के कारण से उनके ऑनरेबल मिनिस्टर , जिनका यहां परिचय कराया गया था, वे तिहाड़ जेल में पहुंचे है । नेता विपक्ष पूछना चाहते है कि प्रधान मंत्री जी आएं और बताएं , जिनका परिचय इस सदन में खड़े होकर कराया गया था, एक बार नहीं दो – दो बार । वे सम्मानित मंत्री हैं । ...(**व्यवधान**)... प्रधान मंत्री आकर बताएं तो, नेता विपक्ष यही पूछना चाहते है । ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : सर ये आपका order नहीं मानते हैं । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : विपक्ष पर ...(**व्यवधान**)... किया जा रहा है । ...(**व्यवधान**)... यह लोकतंत्र की सरासर * है । ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: What do you want *(Interruptions)* Do you want*? *[Interruptions)* induct all the* in the Cabinet. *(Interruptions)*

श्री दिग्विजय सिंह : यह हाउस नहीं चलेगा, यह बात तय है । ...(**व्यवधान**)... सरकार क्या चाहती है, यह बताए । ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Is it the privilege of the Prime Minister ...*(Interruptions)*

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, वे दागी मंत्रियों को मंत्रिमंडल में लेने की बात तो मानें । ...(**व्यवधान**)... यह ठीक है कि दागी मंत्री रखे है । ...(**व्यवधान**)... यह तो कह दें । क्या इतना कहने

*Expunged as ordered by the Chair.

की भी उनमें * नहीं है । ...(**व्यवधान**)... यह गलत किया गया है । ...(**व्यवधान**)... उन्हें * आनी चाहिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सरकार में कैसे मंत्री है ...(**व्यवधान**)...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Do you want *? *(Interruptions)* Do you want * ? Go to Tihar Jail. *(Interruptions)*

श्रीमती सुषमा स्वराज : यही तो चाहते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति **:** माननीय सदस्य बैठिए ...(**व्यवधान**)... देखिए, क्वेश्चन ऑवर स्टार्ट होने से पहले भी कई बार मामले उठे हैं । कई बार क्वेश्चन ऑवर पोस्टपोन किया गया है । मैं समझता हूं कि इतनी देर में तो लीडर ऑफ दि अपोजिशन अपनी बात खत्म कर देते, क्वेश्चन ऑवर चालू हो जाता । इसलिए मैं आपने निवेदन करना चाहूंगा कि ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : इतनी मेहनत करके आते हैं, सर ...(**व्यवधान**)...

†**شری شاہد صدیقی:** اتنی محنت کر کے آتے ہیں، سر...(مداخلت)...

श्री सभापति **:** मेहनत करके आते हैं, मैं इसलिए कह रहा हूं ...(**व्यवधान**)... आप मेरी बात तो सुन लीजिए । आप मेहनत करते हैं इसमें कोई संदेह नहीं है ...(**व्यवधान**)... मैं यही तो कह रहा हूं, लीडर ऑफ दि अपोजिशन बार – बार नहीं खड़े होते हैं ...(**व्यवधान**)... इसलिए इसको मान लीजिए, ...(**व्यवधान**)...

श्री बनवारी लाल कंचाल : ऐसा काम क्यों करते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह : हत्या क्यों करते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : आपके बोलने के बाद भी ये खड़े है ...(**व्यवधान**)... चेयर से डायरेक्शन मिलने के बाद भी यह हाल है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बोलने दीजिए, ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : ये लोग हाउस चलने नहीं देंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : चलिए, चलिए, ...(**व्यवधान**)... बोलने दीजिए, ...(**व्यवधान**)... एक बार बोलने दीजिए, वॉक आउट करते हैं, तो वॉक आउट करने दीजिए , ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : सभापति जी , ...(**व्यवधान**)...

Sir, that is not the issue. ...*{Interruptions)*...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

श्री सभापति : क्यों ...(**व्यवधान**)... आप बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... एक बार बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)... बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ...(**व्यवधान**)... मुझे मालूम है क्वेश्चन ऑवर की दशा क्या होती है । बीस क्वेश्चन दिए जाते है । मैं कई बार माननीय सदस्यों से कह चुका हूं कि बीस क्वेश्चन्स में कितनी तैयारी होती है । सरकार का कितना खर्चा होता है । लेकिन तीसरे – चौथे क्वेश्चन से ज्यादा आप बढ़ने नहीं देते । आज आप क्वेश्चन आवर का इंट्रस्ट शो कर रहे हैं तो कम से कम मुझे ये अधिकार दे दीजिए कि बीस के बीस पूरे क्वेश्चन्स हों । दो से ज्यादा किसी को बोलने नहीं दे ।

श्रीमती सुषमा स्वराज : उनको भी तो होता है ।

श्री सभापति : वे तो न करते ही कहां हैं । यह अधिकार ...(**व्यवधान**)... मेरी सुनिए । इस समय अधिकार रूल्स में लिखे हुए हैं । बाकी प्रत्यक्ष में वे अधिकार प्रयोग में नहीं आ रहे हैं । इस पर विचार कर लीजिए । मैं तैयार हूं । इस हाउस में बैठकर विचार कर लीजिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री बनवारी लाल कंचाल : आपका अधिकार है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मेरा अधिकार है, लेकिन मेरा अधिकार कोई माने तो ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : सर, आपका अधिकार कब नहीं माना ...(**व्यवधान**)...

†**شری شاہد صدیقی:** سر، آپ کا ادھیکار کب نہیں مانا ...(مداخلت)...

श्री सभापति : गलत बात ...(**व्यवधान**)... मेरी सुनिए ...(**व्यवधान**)... यह गलत बात है ...(**व्यवधान**)... इसलिए अगर मैंने लीडर ऑफ दि अपोजिशन को अलाऊ कर दिया ...(**व्यवधान**)... पांच मिनट में बात कर लेते, खत्म हो जाता किस्सा ...(**व्यवधान**)...

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, he spoke for half-an-hour... *(Interruptions)...*

श्री सभापति : इसमें ऐसा नहीं है ...(**व्यवधान**)... बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)... ज्यादा अच्छा है ...(**व्यवधान**)... फिर आप बैठना चाहें ...(**व्यवधान**)... घडी मत देखिए ...(**व्यवधान**)... कल मैं आपकी घडी देखता रहा ...(**व्यवधान**)... इन चीजों को छोडिए ...(**व्यवधान**)... मैं समझता हूं कि एक बार बोलने दीजिए, किस्सा खत्म हो ...(**व्यवधान**)...

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) : सभापति जी, मैं बड़े आदर के साथ एक बात कहना चाहता हूं । नेता प्रतिपक्ष बोलना चाहते हैं, बोलें, मगर आश्वस्त कर दे कि इसके बाद सदन की कार्रवाई सुचारू रूप से चलेगी । सभापति जी, मैं यह चाहता हूं ।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : आपने चला ली ।

† Transliteration in Urdu Script.

श्री जसवन्त सिंह : सभापति जी, मुझे यही निवेदन करना था । अगर शुरू में ही यह बात हमारे मित्र, जो अभी सरकारी पक्ष में बैठे हैं समझ जाते, जो मुझे दरख्वास्त करनी हैं, अच्छा है कि बीच में ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागडोदिया : हम लोग सब नासमझ हैं, सारी समझदारी उधर ही है ...(**व्यवधान**)... इस तरह की बातें बोलने का कोई मतलब नहीं है । ये बातें बोलने की क्या जरूरत है? काम की बातें बोले ...(**व्यवधान**)... हम लोग सब नासमझ हैं, सारी समझदारी वहीं पर हैं, यह कोई बात है ...(**व्यवधान**)... इनको भी अपनी मर्यादा रखनी पड़ेगी ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सदन यही चलाएंगे क्या ...(**व्यवधान**)... क्या इनसे हम टयूशन लेंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : सभापति महोदय, मेरा निवेदन यह था, शुरू में ही मैं कहना चाहता था, मैं एक ही वाक्य कह पाया था, मैं समझता हूं कि यह बहुत ही अनहोनी बात घट गई है । यदि कोई अदालत किसी केन्दीय मंत्री पर यह फैसला कर दें कि ये खून के दोषी पाए जाते है और वह अदालत से सीधे जेल जाएं, तो यह कोई छोटी बात नहीं है । मेरा निवेदन है कि इस बात की गंभीरता को समझते हुए, क्योंकि यह मुकदमा CBI के तहत रहा, उन्होंने जांच – पड़ताल की, मुकदमा चलाया और CBI अपने आप में प्रधानमंत्री जी की एक जिम्मेदारी होती है, वैसे भी कैबिनेट मंत्री कौन बने, कौन नहीं बने, यह भी प्रधानमंत्री का अपना दायित्व है । उन्होंने किसी के बारे में तय किया कि यह हमारे मंत्रिमंडल में होंगे, वे हट गए, फिर वापस लाए गए , फिर कोर्ट ने कहा कि इनको गिरफ्तार कीजिए, ये खूनी हैं । वे हमारी ही बिरादरी के हैं और यदि हम इसको इसी तरीके से ले लेंगे, तो मैं सोचता हूं कि कहीं हम सब अपने ऊपर ही बहुत बडी चोट पहुंचा रहे है और उस चोट पहुंचाने का इलाज या मरहम – पट्टी आज अगर किसी के पास है, तो प्रधानमंत्री जी के पास है । हमारा निवेदन है कि प्रधानमंत्री जी आएं , यह उनकी जिम्मेदारी बनती है, सदन के प्रति भी जिम्मेदारी बनती है, वह इस सदन के नेता हैं , इस सदन के सदस्य रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य : आज भी हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : वे प्रधानमंत्री भी है, इस सदन के नेता भी है, उनकी जिम्मेदारी भी है, CBI भी उनके पास है, क्या उनको जानकारी नहीं थी कि उन केन्दीय मंत्री के खिलाफ खून का मुकदमा चल रहा है और अगर जानकारी थी और जानकारी होते हुए भी उनको सरकार में लिया गया, तो कम से कम प्रधानमंत्री जी हमें और सदन को आकर बताएं कि इस वजह से हमने लिया और ऐसा

है कि यह हमारा अधिकार है कि हम प्रधानमंत्री जी से मांग करें, हमारा अधिकार बनता है ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRAVEEN RASHTRAPAL: The Deputy Prime Minister of your party is facing a charge of demolition of the Babri Masjid. What action have you taken? ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : ठीक है, ठीक है, पुरानी बातें हो गई ...(**व्यवधान**)...Please take your seat... *(Interruptions)*....

श्री जसवन्त सिंह : सभापति जी, मुझे दो या तीन बातें और अर्ज करनी हैं। क्या प्रधानमंत्री जी इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि कोई और मुकदमा चले, उसमें कोई और मुलजिम बने और सजा announce हो, उसके बाद फिर हम आंएगे? ...(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी : शिबु सोरेन ने तो माइनॉरिटीज का * किया था, यह बात मालूम थी, फिर भी उनको मंत्री बनाया * आनी चाहिए ...(**व्यवधान**)...

†**شری شاہد صدیقی**: شیبو سورین نے تو مائنارٹیز کو * کیا تھا، یہ بات معلوم تھی، پھر بھی ان کو منتری بنایا، * آنی چاہئے ...(مداخلت)...

श्री अमर सिंह : 9 मुसलमानों को मारा ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : CBI की चार्जशीट है, वह तो public document है, सारी दुनिया ने देखी है। निश्चित रूप से जब सीबीआई प्रधान मंत्री जी के नीचे है, तो उन्होंने तो खुद देखी होगी, ऐसा हम सोचते है। अगर नहीं देखी है , तो वे आकर बताएं कि नहीं देखी है। उस चार्जशीट में लिखा है कि कोई रिश्वत का पैसा था और किसी भूतपूर्व प्रधान मंत्री द्वारा रिश्वत का पैसा दिया गया। जब भूतपूर्व प्रधान मंत्री के द्वारा रिश्वत का पैसा दिया गया, तो उस रिश्वत के पैसे के बंटवारे को लेकर झगड़ा हुआ , तो कत्ल हो गया। हमको तो बहुत ग्लानि होती है।

श्री सभापति : स्वाभाविक बात है कि रिश्वत के पैसों का बंटवारा होता है।

श्री जसवन्त सिंह : अब रिश्वत, कत्ल ...(**व्यवधान**)... उसके बावजूद भी ...(**व्यवधान**)... उसके बाद भी अगर प्रधान मंत्री जी या सरकार – ऐसा लगता है कि मानों सरकार के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है , सरकार की ओर से सिवाए उनको कहा कि आप मंत्रिमंडल से हट जाइए , कल आ जाएंगे, यह तो नहीं होना चाहिए। यह हमारा अधिकार है , हम जानना चाहते है और मांग करने का

*Expunged as ordered by the Chair.

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

भी मेरा अधिकार है, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे मौका दिया । सरकारी पक्ष जो नाराज हो रहे थे, हम जानना चाहेंगे कि किस बात से उनको नाराजगी है ? मैंने बात रखी , उससे नाराजगी है या हमने मांग की कि प्रधान मंत्री जी आएं और सफाई दें, उस बात से नाराजगी है । ऐसा मत करिए । जो जुर्म हुआ है, उस जुर्म पर सरकारी पक्ष अपने ऐसे रवैये से जुर्म को और संगीन कर रहा है । मत करिए । हम चाहते हैं कि उस जुर्म को और संगीन मत करिए । प्रधान मंत्री जी आपके दल के हैं, उनको बुलवाइए, आप बुलवाएं, हमें बुलाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए । आप बुलाइए, उनको कहिए कि आइए और आप सदन में सफाई दीजिए, मुल्क को सफाई दीजिए और सफाई देने के बाद भी चले, मुल्क भी आश्वस्त हो । जब तक यह नहीं होगा, तब तक हम अपनी बात भी नहीं कह पाएंगे । इनको अपनी बात भी नही कह सकें और सरकारी पक्ष को उसमें तकलीफ हो जाए, तो बड़े दुख की बात है । मैं दुख के साथ कहता हूं कि हम मांग क्या कर रहे है? मैं यही मांग करने के लिए खड़ा हुआ हूं कि मैं निवेदन कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)... बोलने नहीं दे रहे है ...(**व्यवधान**)...

श्री सुषमा स्वराज : सभापति महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने ...(**व्यवधान**)... अपनी बात रखी ...(**व्यवधान**)... हम केवल इतना कहेंगे कि ...(**व्यवधान**)... सदन में उन्होंने बोलते हुए ...(**व्यवधान**)... मंत्रिमंडल में क्यों लिया गया ...(**व्यवधान**)... उसकी माफी मांगे ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री आकर सदन को बताएं ...(**व्यवधान**)... उसके बाद सदन चलेगा ...(**व्यवधान**)... प्रधान मंत्री आएं और सदन को बताएं , तो सदन चलेगा ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : क्वैश्चन नं0 101 ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सभापति जी, उन्होंने जो मांग रखी है , उसका क्या हुआ ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात रखी है कि ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : क्वैश्चन नं0 102 ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : प्रधान मंत्री सदन में आएं ...(**व्यवधान**)... सदन में आएं, सफाई दें और हम सदन चलाएंगे ...(**व्यवधान**)... यह तो बताइए ...(**व्यवधान**)... उन्होंने एक मांग रखी है ...(**व्यवधान**)... आकर पूरी बात बताएं ...(**व्यवधान**)...

प्रो. राम देव भंडारी : सभापति जी , मैंने कहा था कि वे विचार के बाद की कार्यवाही चलाएंगे ...(**व्यवधान**)... हर रोज ऐसा होता है ...(**व्यवधान**)... अपनी बात कहने के बाद व हाऊस नहीं चलने दे रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप सुन लीजिए , होम मिनिस्टर बोल रहे है ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर बोल रहे हैं, सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)... गृह मंत्री बोल रहे है, उन को सुन लीजिए ।

...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए । ...(**व्यवधान**)... आप सीट पर चले जाइए । मैं आप को कहता हूं, सीट पर चले जाइए, यही अच्छा होगा । आप चले जाइए । ...(**व्यवधान**)... गृह मंत्री जी बोल रहे है , उन्हें बोलने दीजिए । ...(**व्यवधान**)... आप उन्हें बोलने क्यों नहीं देते ? गृह मंत्री जी बोल रहे लें, उस के बाद बोल लेना । ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : आप हमारी बात भी सुनिए ...(**व्यवधान**)... ये हमेशा ऐसा ही करते है । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप गृह मंत्री जी को नहीं बोलने देंगे? ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, आप गृह मंत्री जी को नहीं बोलने देंगे? आप यह नहीं कीजिए । ...(**व्यवधान**)... आप इन सब को withdraw करिए । आप इन सब को वापस ले जाइए । ...(**व्यवधान**)... श्री पाणि ...(**व्यवधान**)... श्री पाणि । ...(**व्यवधान**)... यह कुछ भी रिकॉर्ड नहीं होगा ।

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Sir, either this side should be heard or whatever the Leader of the Opposition has said should be deleted from the record. *(Interruptions)*.... Whatever is said by the Leader of the Opposition should not go on record, until we are heard. *(Interruptions)*...

डा. प्रभा ठाकुर : सर, ...(**व्यवधान**)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कारय मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : सभापति महोदय, एन. डी. ए. के कार्यकाल में ...(**व्यवधान**)... उस समय के गृह मंत्री आडवाणी जी खुद चार्जशीटेड रहे ...(**व्यवधान**)... उस समय के मानव संसाधन मंत्री चार्जशीटेड थे ...(**व्यवधान**)... उस समय के प्रधान मंत्री क्या इस सदन में वक्तव्य देने के लिए आऐ थे? ...(**व्यवधान**)... सर, मैं आपके माध्यम से इन भाजपा के लोगों से जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)... उस समय के जो गृह मंत्री रहे, मानव संसाधन मंत्री रहे, वे चार्जशीटेड हुए , उसके बावजूद भी वे अपने पद पर बरकार रहे ...(**व्यवधान**)... यहां प्रधान मंत्री जी ने ...(**व्यवधान**)... साढ़े पांच बजे ...(**व्यवधान**)... कि शिबू सोरेन इस्तीफा दें ...(**व्यवधान**)... शिबू सोरने का इस्तीफा मंजूर हो गया है । ...(**व्यवधान**)... इनके कार्यकाल में चार्जशीटेड होते हुए इनके मंत्री अपने पद पर बरकरार रहे ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि विपक्ष के नेता ने जो कहा है, उसे सदन की कार्यवाही से विलोपित किया जाए, क्योंकि वह गैर – जिम्मेदाराना वक्तव्य है । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : माननीय सदस्य, आप एक मिनट ठहरिए ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ठहरिए ...(**व्यवधान**)... आप चुप रहिए ...(**व्यवधान**)... क्या आप मुझे भी बोलने नहीं देंगे ? ...(**व्यवधान**)... मैं लीडर ऑफ द अपोजिशन से निवेदन करना चाहूंगा कि इसको तो आप विदड्रा करें और गृह मंत्री क्या कहते है, उसे सुनें ...(**व्यवधान**)... यह नहीं चलेगा ...(**व्यवधान**)... आप चलिए, चलिए ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी. पाटिल : सर, ...(**व्यवधान**)...

मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी (मध्य प्रदेश) : * को बचाने वाले किस खून की बात कर रहे है ...(**व्यवधान**)... पूरी दुनिया में , यह तो बताओं कि * ...(**व्यवधान**)... आप यह बताओ कि ...(**व्यवधान**)...

†**مولانا عبیداللہ خان اعظمی:** * کو بچانے والے کس خون کی بات کر رہے ہیں ...(مداخلت)... پوری دنیا میں، یہ تو بتاؤ کہ * ہے...(مداخلت)... آپ یہ بتاؤ کہ * ...(مداخلت)...

श्री सभापति : ठीक है, ठीक है ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : * कहना चाहते हो? ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी. पाटिल : सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : सभापति जी, ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, आज तशरीफ रखिए ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर साहब, आप जरा तशरीफ रखिए ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर साहब, आप जरा तशरीफ रखिए ...(**व्यवधान**)... जी, हां, मैं निवेदन कर रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

SHRI SURESH PACHOURI : As per the instructions of the hon. Chairman... *(Interruptions)*... लेकिन उसके बाद आप होम मिनिस्टर को भी सुनें ...(**व्यवधान**)... जैसे हम शांति से सुन रहे हैं, वैसे ही कृपापूर्वक आप होम मिनिस्टर को भी सुनें ...(**व्यवधान**)... मेरी प्रार्थना है ...(**व्यवधान**)... आप बोलें, इसमें कोई ऐतराज नहीं है । ...(**व्यवधान**)... आप बोलें, लेकिन अक्सर यह होता आया है कि विपक्ष के माननीय नेता बोलते हैं और फिर हमारा जो उत्तर रहता है, आपकी जिज्ञासा में उसे नहीं सुना जाता । आप भी बोलें, लेकिन कृपापूर्वक आप अपनी पार्टी के सदस्यों से आग्रह करें कि वे माननीय गृह मंत्री जी को भी सुनें । ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair,

† []Transliteration in Urdu Script.

श्री जसवन्त सिंह : इसलिए सभापति जी, जब आपने वह आदेश दिया ...(**व्यवधान**)... तो मैंने सीधे सब को कहा था कि वे पीछे चले जाएं । ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : पहले ये हमारे होम मिनिस्टर को सुनें ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : मेरा निवेदन यह था कि हमारी पार्टी के सब लोगों का आग्रह क्या था । होम मिनिस्टर साहब सुनें ...(**व्यवधान**)... मुझे होम मिनिस्टर साहब से गिला नहीं है ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर साहब ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : पहले वह होम मिनिस्टर साहब को appoint ही प्रधान मंत्री करते हैं ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर साहब, प्रधान मंत्री का दर्जा नहीं रखते ...(**व्यवधान**)... हम उनको जरूर सुनेंगे । ...(**व्यवधान**)... हमें सुनने में कोई तकलीफ नहीं है । ...(**व्यवधान**)... हम जरूर सुनेंगे । ...(**व्यवधान**)... वे मेहरबानी करके तशरीफ रखें । ...(**व्यवधान**)... सुन तो लें ...(**व्यवधान**)... मैं कब से खड़ा हुआ हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : इतना तो सुन लीजिए कि गृह मंत्री जी क्या कह रहे हैं ...(**व्यवधान**)... इतना तो सुन लीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : हम जरूर सुनेंगे । ...(**व्यवधान**)... मैं जरूर सुनुंगा ...(**व्यवधान**)... हम अपनी इतनी बात कहना चाहते थे कि होम मिनिस्टर साहब को प्रधान मंत्री के अधिकार नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : वह नहीं हैं, लेकिन वे क्या कह रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : आप होम मिनिस्टर साहब की बात सुनिए ...(**व्यवधान**)...

श्री जसवन्त सिंह : होम मिनिस्टर को अधिकार नहीं है । उसे प्रधान मंत्री नियुक्त करता है ...(**व्यवधान**)... होम मिनिस्टर साहब जरूर कहें ...(**व्यवधान**)... उसे हम जरूर सुनुंगे ...(**व्यवधान**)... हम क्यों नहीं सुनेंगे, हम जरूर सुनेंगे ...(**व्यवधान**)... पहले भी सुना है और आज भी सुनेंगे ...(**व्यवधान**)... पर ये बीच में बोलते जाते है , आप उनको नहीं कहते हैं ...(**व्यवधान**)... मेरा निवेदन है ...(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागड़ोदिया : होम मिनिस्टर साहब को बोलने दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : प्रधानमंत्री और गृह मंत्री क्या समान हैं? ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री को अधिकार है कि वे अपने मंत्री को एप्वाइंट करते है। ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री एप्वाइंट करते हैं, क्या गृह मंत्री एप्वाइंट कर सकते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप गृह मंत्री को सुनिए तो सही। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : शिबू सोरेन को एप्वाइंट जिसने किया था, हमारा सवाल उनसे है। ...(**व्यवधान**)... शिबू सोरेन को एप्वाइंट किसने किया था? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : गृह मंत्री क्या कह रहे हैं , जरा सुन तो लीजिए। ...(**व्यवधान**)... अगर आप सेटिस्फाई नहीं होंगे तो आगे बात कर लेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : एप्वाइंटिंग अथॉरिटी से हमारा सवाल है, हमारा गृह मंत्री से सवाल नहीं है। ...(**व्यवधान**)... सवाल हमारा प्रधानमंत्री से है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप गृह मंत्री को सुन तो लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, आप चाहते हैं कि हम गृह मंत्री को सुनें, हम सुनेंगे। ...(**व्यवधान**)... । एक मिनट। सर, आप चाहते हैं कि हम गृह मंत्री को सुनें , हम निश्चित सुनेंगे। इधर से सब लोग बिल्कुल चुप बैठेंगे, गृह मंत्री क्या कहना चाहते हैं, हम निश्चित सुनेंगे। हम केवल एक बात कहना चाहते हैं कि गृह मंत्री को सुनने के बाद भी हमारी मांग बरकार रहेगी कि प्रधान मंत्री सदन में आकर बोलें। क्यों बरकरार रहेगी, यह भी सुन लें? इसलिए बरकरार रहेगी कि गृह मंत्री और शिबू सोरेन का दर्जा बराबर का हैं – गृह मंत्री भी कैबिनेट मिनिस्टर हैं, वे भी कैबिनेट मिनिस्टर हैं, मगर नियुक्ति देने का अधिकार प्रधान मंत्री का है। जो बात गृह मंत्री जी कहना चाहते हैं, हम जरूर सुनेंगे, मगर हमारी मांग, जो नेता विपक्ष ने रखी थी प्रधान मंत्री को बुलाने की, कायम रहेगी, वह मांग समाप्त नहीं होगी। आप बोलें गृह मंत्री जी। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : सुषमा जी, आपकी सरकार के कार्यकाल में जब आपके गृह मंत्री जी चार्जशीटेड हुए थे ...(**व्यवधान**)... तब अटल जी को यहां ले आना था ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : आप हमारी बात छोड़ दो ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : तब क्या हुआ था ? ...(**व्यवधान**)... तब अटल जी को यहां ले आना था, तब अच्छा होता ? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप इनको बैठाइए। ...(**व्यवधान**)... आप लोग बैठिए। आप बोलिए गृह मंत्री जी।

श्रीमती सुषमा स्वराज : हम गृह मंत्री जी को जरूर सुनेंगे, बोलिए गृह मंत्री जी आप क्या कहना चाहते हैं।

श्री शिवराज वी. पाटिल : मैं उधर बैठे हुए साथियों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि मैं जो कहने जा रहा हूं , वे उसे सुनने के लिए तैयार हो गए हैं और मैं बहुत ही मुख्तसिर तरीके से बात कहूंगा । हमारे पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर साहब ने जो कुछ भी कहा है, वह हमारी गवर्नमेंट का स्टेंड है, वह रिकॉर्ड पर आ गया है । उसके रिकॉर्ड पर आने की वजह से सिर्फ एक तरफा बाजू नहीं आई, दो तरफा भी बाजू आ गई है । जहां तक श्री शिबू सोरेन जी का सवाल है, उन्होंने राजीनामा दिया है, वह मंजूर हुआ है और यही लोकतंत्र में हुआ करता है, वह हो गया है । इसके बाद, किसी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के बाद क्या वे मंत्रिमंडल में आ सकते हैं या नहीं आ सकते है , इसके बारे में अगर चर्चा करने की हमारे विरोधी पक्ष के साथियों की इच्छा है और आपने उसको इजाजत दे दी नोटिस देखकर, तो उसमें कोई दिक्कत नहीं होगी । जिससे भी आप सुनना चाहेंगे , वह आपको सुनने के लिए मिलेगा, मगर यह बात सिर्फ शिबू सोरेन तक मर्यादित नहीं रहेगी, वह बहुत दूर तक पहुंचेगी । ...(**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : कोई बात नही । ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज : सर, हमारी बात तो जहां की तहां है । ...(**व्यवधान**)... आपका समाधान हुआ क्या इनकी बात सुनकर? ...(**व्यवधान**)... अगर आपका समाधान हो गया, तो हमें कुछ नहीं कहना । ...(**व्यवधान**)... सर, आपका समाधान हो गया क्या ? ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, आपका समाधान हुआ क्या ? अगर आपका समाधान हो गया तो हमें कुछ नहीं कहना है । ...(**व्यवधान**)... जो बात नेता विपक्ष ने रखी थी, वह बात जस की तस बकाया है । ...(**व्यवधान**)... प्रधानमंत्री सदन में आएं और आकर पूरी बात बताएं । ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : सदन की कार्यवाही 12.00 बजे तक के लिए स्थागित की जाती है । The House then adjourned at forty-four minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at 12.00 Noon

MR. DEPUTY CHAIRMAN In the Chair

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Closure of industries in Andhra Pradesh

*101. SHRI NANDIYELLAIAH: Will the Minister of COMMERCE AND IN DUSTRY be pleased to state:

(a) the details of the public sector and private sector industries closed down in Andhra Pradesh during the last three years;